सहायक प्राध्यापक परीक्षा –2017
पाठ्यक्रम
विषय :– इतिहास प्राचीन

ईकाई –1

इतिहास की परिभाषा, क्षेत्र, स्रोत, हड़प्पा एवं ताम्राश्मीय संस्कृतियॉ, वैदिक युग, देशज उद्भव, विकास, महाजनपद युग,मगध का उत्कर्ष ।
मौर्य वंश, चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक, शुंग–पुष्यमित्र, सातवाहन –गौतमीपुत्र सातकर्णी, कुषाण नरेश कनिष्क, शक संवत।

ईकाई –2

गुप्तवंश–चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, रामगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त, प्रभावती गुप्ता, गुप्त वाकाटक सम्बंध, मौखरीवंश–ईशानवर्मा

ईकाई –3

पुष्यभूति राजवंश–हर्ष, राजपूतो का उदय, प्रतिहार – नागभट्ट द्वितीय, मिहिर भोज, कलचुरि– गांगेयदेव, लक्ष्मीकर्ण, चंदेल–यशोवर्मन एवं धंग, पाल–धर्मपाल, त्रिकोणात्मक संघर्ष, परमार – भोज, गहड़वाल –जयचन्द्र, गोविन्दचन्द्र, चाहमान – पृथ्वीराज तृतीय

ईकाई –4

वैयक्तिक एवं सामाजिक उत्कर्ष हेतु चिन्तन– आश्रम व्यवस्था, संस्कार, विवाह–उद्देश्य एवं प्रकार, पुरूषार्थ चतुष्ठय एवं मानव मूल्यों के संबर्धन में पुरूषार्थ की भूमिका। त्रि–ऋण, पंच–महायज्ञ, उपनयन, एवं सामवर्तन (दीक्षा) में मानव मूल्य, विविध भारतीय धर्मो–शैव, वैष्णव शाक्त, बौद्ध एवं जैन धर्म की शिक्षाओं में मानव मूल्यों के तथ्य।

ईकाई –5

भारत में लेखन कला का उद्भव एवं विकास, लेखन सामग्री भारतीय इतिहास के पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व, अशोक के अभिलेख– द्वितीय एवं बारहवां शिलालेख।

निम्न अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व– हेलियोडोरस का बेसनगर स्तंभलेख, रूद्रदामन का जूनागढ़, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशास्ति, यशोवर्मन और धंग का खजुराहों अभिलेख।

ईकाई –6

विरासत का अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्व मध्यप्रदेश की चित्र कला–भीमबेठका, बाघ, चतुर्भुजनाला (भानपुरा) गड्डी एवं हनुमना के शैलचित्र पचमढ़ी के शैलचित्र,

शैलोत्कीर्ण स्थापत्य – बाघ की स्थापत्य कला, उदयगिरि (विदिशा)

ईकाई –7

मध्यप्रदेश के प्रमुख स्थापत्य, स्तूप– वैश्यटैकरी महास्तूप (उज्जैन), मरहुत एवं सॉची, देउरकोठार, मानपुर का बेलनाकार स्तूप, मंदिर स्थापत्य–उद्भव एवं विकास, प्रारंभिक मंदिर, सॉची–17 स्थापत्य, तिंगवा, भूमरा का शिव मंदिर, नचना का पार्वती मंदिर, बेला का बैजनाथ मंदिर, मध्यप्रदेश के समीपवर्ती– देवगढ़ का दशावतार मंदिर।

ईकाई –8

प्रतिहार स्थापत्य– तेली का मंदिर (ग्वालियर), कलचुरि स्थापत्य– चन्द्रेह (सीधी) का शिव मंदिर एवं सोहागपुर का विराटेश्वर मंदिर, चंदेल स्थापत्य–खजुरोहों का कंदरिया महादेव मंदिर तथा लक्ष्मण मंदिर, परमार स्थापत्य–उदयेश्वर का नीलकंठेंश्वर मंदिर।

ईकाई –9

मध्यप्रदेश का मूर्तिशिल्प– भरहुत एवं सॉची के मूर्तिशिल्प में जीवन दृश्य, गुप्तकालीन मूर्तिकला– विशेषताऐं एवं महत्व, प्रतिहारकालीन मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताऐं, कलचुरि मूर्तिकला का क्रमिक विकास एवं लक्षण, चंदेल मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताऍं, परमार मूर्तिकला की प्रमुख विशेषताऍं।

ईकाई–10

प्राचीन भारत में व्यापार एवं वाणिज्य श्रेणी, प्राचीन भारत के प्रमुख व्यापारिक केन्द्र– पाटलीपुत्र, गांधार, तक्षशिला, काशी, मथुरा, अवंति, श्रावस्ती, भड़ोच, यातायात के साधन ।

----xxx----

ASSISTANT PROFESSOR EXAM -2017

SYLLABUS

SUBJECT- HISTORY ANCIENT

UNIT-1

Definition and scope of Histoy, Sources, Harappan and chalcolithic cultures, vedic age date, Indigenious origin and development. Mahajanpada age; Rise of Magadha Empire,
Maurya dynasty, Chandragupta Maurya and Ashoka, Shunga- Pushyamitra, satvahanas- Gautamiputra satkarni, Kanishka king of Kushana and Shak samvat.

UNIT-2

Gupta dynasty- Chandragupta-I Samudragupta, Ramgupta, Chandragupta-II Kumargupta, Skandagupta, Prabhavtigupta and Gupta vakataka relation, Maukhari- Ishanvarma

UNIT-3

Pushyabhuti dynasty- Harsha, origin of Rajputas, Pratiharas- Nagbhatta-II Mihirbhoja, Kalchuris- Gangeyadeva and Laxmikarna, Chandella- Yashoverman and Dhang, Palas- Dharmapal. Parmaras- Bhoja, Gahadvala- Govinda Chandra and Jaichandra, Chahmana- Prithviraj-III

UNIT-4

Thoughts for personal and social elevation- Ashram system, Samskaras, Marriage- aims and types, Purushartha chatustaya and role of Purushartha in upliftment of human values.
Tri-Rina, Panchmahayajna, Human values during teaching (Diksha) in upnayan and Samapvartan. Elements of Human values in the teaching of Indian Religions- Shaiva, Vaishnava, Shakta, Jain and Buddha.

UNIT-5

Origin and Development of art of writing in India, writing materials, importance of inscription in the reconstruction of Indian history- Ashokan inscriptions- second and twelth rock edicts.
Historical importance of following inscriptions- Besnagar pillar inscription of heliodorours, Junagarh inscription of Rudradaman, hathigumpha inscription of Kharvela. Allahabad pillar inscription of Samudragupta, Khajuraho inscription- Yashovarman and Dhang.

UNIT-6

Meaning and definition of heritage, types of heritage and importance of heritage, paintings of Madhya Pradesh- Bhimbetka, Bagh, Chaturbhujnala (Bhanpura) rockpaintings of Gaddi and Hanumana, Rock-paintings Pachmari.
Rockcut architecture- Architecture of Bagh Caves, Udaigiri (Vidisha).

UNIT-7

Important architecture of Madhya Pradesh, Stupa-Mahastupa of Vaishya Tekri (Ujjain) Bharhuta, Sanchi, Deurkothar, Cilindrical Types stupa of Manpur (Umaria) Temple architecture- origin and development, early temples- Sanchi no. 17, Temples of Tigwa, Shiv temples of Bhumra, Parvati temple of Nachana, Baijnath temple of Bela, Dashavtar temples of Deogarh (Adjoining of Madhya Pradesh).

UNIT-8

Pratihar architecture- Teli ka temple of Gwalior, Kalchuri architecture- Shiv temple of Chandreh (sidhi), Virateshwar Temple of Sohagpur. Chandela architecture- Kandaria Mahadev temple and Lakshaman temple of Khajuraho, Parmar architecture- Neelkantheshwar temple of Udaishwar.

UNIT-9

Sculptures of Madhya Pradesh- Life scene in the art of Bharhut and Sanchi, Gupta sculptures- importance and salient features, Chief characteristics of pratihar sculptures. Characteristics and salient features of Kalchuri sculptures. Chief characteristics of Chandella sculpture. Chief characteristics of Parmar sculpture.

UNIT-10

Trade and commerce in ancient India, Guilds, important trade centres of ancient India- Patliputra, Gandhar, Taxila, Kashi, Mathura, Avanti, Shravasthi, Baruch and mode of transport in ancient India.

----XXX----